गैरसैंण, सोमवार
4 नवम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 173 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

भारत ने चीन सीमा पर मजबूत की पकड़, बनाई देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी

नई दिल्ली ,भारत ने चीन सीमा पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए लद्दाख में देश की सबसे ऊंची हवाई पट्टी का निर्माण किया है। यह एयरफील्ड पूर्वी लद्दाख के मुढ़–न्योमा क्षेत्र में स्थित है और यह चीन की सीमा के काफी करीब है। इस नए एयरफील्ड के बनने से भारतीय सेना को सीमा पर तेजी से मूवमेंट करने में आसानी होगी और साथ ही यह क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। यह एयरफील्ड करीब 13,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और इसमें तीन किलोमीटर लंबा रनवे है। यह एयरफील्ड चार साल पहले गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुए तनाव के बाद से भारतीय सेना की प्राथमिकता रही है। इस तनाव के बाद से भारत ने लद्दाख में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। न्योमा एयरफील्ड इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एयरफील्ड भारतीय सेना को सीमा पर तेजी से सैनिक और हथियारों को तैनात करने में मदद करेगा। इससे भारतीय वायु सेना दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में आसानी से पहुंच सकती है। यह एयरफील्ड किसी भी आपातकालीन स्थिति में भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण आधार होगा इस परियोजना के पूरा होने से यह साबित होता है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वह किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में जलकर खाक हुआ 40 साल पुराना शोरूम

भरतपुर ,कोतवाली थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन बजरिया कॉलोनी में एक कपड़े के दो मंजिला शोरूम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई, जिससे शोरूम में रखा सारा माल जलकर स्वाह हो गया। घटना की सूचना मिलने पर एक दर्जन से अधिक दमकल गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी तेज थी कि शोरूम का सारा सामान राख में तब्दील हो गया। शोरूम मालिक रवि कुमार गोयल को करोड़ों रुपये के नुकसान ने गहरे सदमे में डाल दिया है। उनके परिजनों का कहना है कि शोरूम 40 साल पुराना था, जिसे उनके परिवार ने बड़ी मेहनत से खड़ा किया था। घटना के वक्त सभी परिवारजन गोवर्धन पूजा के बाद शोरूम के ऊपर बने मकान में सो रहे थे। रात के करीब 1 बजे धुआं और बदबू महसूस हुई, जिसके बाद बाहर निकलकर देखा तो शोरूम में आग लगी हुई थी।कोतवाली थाना पुलिस और आसपास की नगर पालिकाओं की 15 दमकल गाडिय़ों ने करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझने के बाद भी शोरूम के अंदर से धुआं उठता रहा और दमकलकर्मी अभी भी आग के अवशेषों को पूरी तरह ठंडा करने में जुटे हुए हैं। शोरूम मालिक के अनुसार इस हादसे में लगभग 2 से 3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पीएम मोदी 8 से 14 नवंबर तक महाराष्ट्र में करेंगे 11 रैलियां

मुंबई ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर 8 से 14 नवंबर राज्य में पार्टी के प्रचार के लिए कई रैलियां करेंगे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी राज्य में 8 से 14 नवंबर के बीच करीब 11 रैलियों को संबोधित करेंगे। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पीएम मोदी के 8 नवंबर को धुले और नासिक, 9 नवंबर को अकोला और नांदेड़, 12 नवंबर को चंद्रपुर, चिमूर, सोलापुर व पुणे और 14 नवंबर को संभाजीनगर, नवी मुंबई और मुंबई में चुनावी सभाओं को संबोधित करने की उम्मीद है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह भी राज्य में चुनाव से पहले करीब 20 रैलियों को संबोधित करेंगे। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 22 और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के लगभग 13 रैलियों को संबोधित करेंगे। इन सब के साथ महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष बावनकुले भी राज्य में पार्टी को बहुमत दिलाने के लिए प्रचार–प्रसार में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी राज्य में धुआंधार रैलियां करेंगे।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

श्री केदारनाथ धाम ,। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट रविवार को भैया दूज के पावन पर्व पर प्रातः 8:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो गए।

ऊं नम् शिवाय, जय बाबा केदार के जय घोष तथा भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच वैदिक विधि–विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ कपाट बंद किए गए। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय समेत 15 हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। मंदिर को दीपावली के दिन से ही भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था ।

श्री अजय की उपस्थिति में रविवार प्रातः पांच बजे कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। बीकेटीसी के आचार्य, वेदपाठियों, पुजारीगणों ने भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग की समाधि पूजा की। स्वयंभू शिवलिंग को भस्म, स्थानीय पुष्पों बेल पत्र आदि से समाधि रूप दिया गया। प्रातः 08:30 बजे बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर से बाहर लाया गया इसके बाद श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए।

कपाट बंद होने के साथ ही बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली ने अपने पहले पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान किया। हजारों श्रद्धालु बाबा की पंचमुखी डोली के साथ पैदल ही रवाना हुए। श्रद्धालुओं के लिए जगह झ जगह भंडारे आयोजित किये गये थे। आज केदारनाथ में मौसम साफ रहा। आस–पास बर्फ होने से सर्द बयारें भी चलती रही लेकिन श्रद्धालुओं में भारी उत्साह रहा।

कपाट बंद होने के अवसर पर श्री अजय ने कहा कि इस यात्राकाल में रिकार्ड साढ़े 16 लाख से अधिक तीर्थ यात्री श्री केदारनाथ धाम पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से आज भव्य और दिव्य केदारपुरी का पुनर्निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी के मार्गदर्शन में केदारनाथ धाम यात्रा का सफल संचालन हुआ। उन्होंने सफल यात्रा संचालन के लिए बीकेटीसी के कार्मिकों, पुलिस झ प्रशासन, यात्रा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विभागों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ),भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) आदि का आभार जताया।वहीं, पवित्र गुरुद्वारा हेमकुंट साहिब तथा लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट बीते 10 अक्टूबर को बंद हो गये। द्वितीय केदार मद्महेश्वर जी के कपाट 20 नवंबर को बंद हो रहे है तथा तृतीय केदार तुंगनाथ जी के कपाट कल सोमवार 04 नवंबर को बंद हो रहे है, जबकि चतुर्थ केदार रूद्रनाथ जी के कपाट 17 अक्टूबर को बंद हुए।

15 हजार से अधिक श्रद्धालु साक्षी बने

यमुनोत्री धाम के कपाट विशेष पूजा अर्चना के बाद शीतकाल के लिए हुए बंद

● खरसाली रवाना हुई मां यमुना की डोली

उत्तरकाशी। चारधाम के पहले प्रमुख तीर्थ यमुनोत्री धाम के कपाट विशेष पूजा अर्चना के बाद पूर्व निर्धारित समयानुसार 12 बजकर पांच मिनट पर पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं।

अब छह महीने शीतकाल में मां यमुना के दर्शन व पूजा अर्चना शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली गांव में किए जाएंगे। इससे पहले सुबह आठ बजे मां यमुना के भाई शनिदेव समेश्वर महाराज अपनी बहन को लेने यमुनोत्री धाम पहुंचे थे। उसके बाद यहां सैकड़ों श्रद्धालुओं और स्थानीय देव डोलियों की मौजूदगी में मां यमुना के मंदिर कपाट बंद हुए। ग्रामीणों ने मां यमुना की डोली का फूल मालाओं, धूप, दीप नैवेद्य के साथ भव्य स्वागत किया। इस मौके पर पुरोहित महासभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम उनियाल, यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, पुरोहित समाज के सुरेश उनियाल, मनमोहन उनियाल, प्यारे लाल उनियाल, भागेश्वर उनियाल,सुभाष उनियाल ,गौरव उनियाल, आशिष उनियाल,कमल सिंह बिष्ट,महावीर पंवार, आनंद सिंह राणा, जसपाल परमार,सीओ सुरेंद्र सिंह भंडारी,एस ओ दीपक कठैत, विक्रम सिंह, एसडीएम बृजेश तिवारी के अलावा सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

शनिवार को हुए थे गंगोत्री धाम के कपाट बंद

चारधामों में प्रमुख गंगोत्री धाम के कपाट शनिवार को अन्नकूट पर्व पर दोपहर 12:14 बजे अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बंद कर दिए गए थे। इस अवसर पर देश–विदेश से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां गंगा की उत्सव डोली के निर्वाण दर्शन किए।

जम्मू–कश्मीर : श्रीनगर के ग्रेनेड हमले में 12 से अधिक दुकानदार घायल

● सीएम उमर अब्दुल्ला ने की निंदा

श्रीनगर ,श्रीनगर में रविवार दोपहर आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के एक वाहन पर ग्रेनेड फेंका, लेकिन निशाना चूक गया और ग्रेनेड सड़क पर फट गया। इस हमले में करीब 12 से अधिक पैदल यात्री और दुकानदार घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने श्रीनगर शहर में टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर (टीआरसी) क्रॉसिंग के पास सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर वाहन पर ग्रेनेड फेंका। एक अधिकारी ने बताया, ग्रेनेड का निशाना चूक गया और वह सड़क पर फट गया, इससे 12 से अधिक नागरिक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और तलाशी के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। बता दें कि जिस जगह ग्रेनेड बेहद परेशान करने वाली है। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द हमलों की इस लहर को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, ताकि लोग बिना किसी डर के अपना जीवन जी सकें। बता दें कि ग्रेनेड हमले के एक दिन पहले श्रीनगर के खानयार इलाके में भीषण गोलीबारी में पाकिस्तानी लश्कर–ए–तैयबा के टॉप कमांडर उस्मान भाई उर्फ छोटा वलीद की मौत हो गई थी और चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। पिछले महीने, आतंकवादियों ने गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक श्रमिक शिविर पर हमला करके छह बाहरी श्रमिकों और एक स्थानीय डॉक्टर की हत्या कर दी थी। 25 अक्टूबर को, आतंकवादियों ने बारामूला जिले के गुलमर्ग स्की रिसोर्ट के बोटा पाथरी इलाके में सेना के तीन जवानों और दो नागरिक कुलियों की हत्या कर दी थी। 1 नवंबर को आतंकवादियों ने बडगाम जिले के मागम इलाके के मजहामा गांव में दो गैर स्थानीय लोगों पर गोलीबारी की थी। लगातार हो रहे आतंकी हमले को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि ये हमले उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली राजनीतिक सरकार को अस्थिर करने के लिए किए जा रहे हैं।

नंदुरबार में तेज रफ्तार कार ने तीन बाइक सवारों को टक्कर मारी, पांच लोगों की मौत

नंदुरबार ,महाराष्ट्र के नंदुरबार तहसील के पिंपलोद गांव के पास तेज रफ्तार बोलेरो कार ने सडक़ किनारे खड़े तीन बाइक सवारों टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि कार चालक को नींद आ गई होगी, गाड़ी का ब्रेक फेल हुआ होगा या फिर ड्राइवर नशे में होगा, तभी वाहन के अनियंत्रित हो जाने के कारण ये हादसा हो गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह हादसा 2 नवंबर को रात करीब 8 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, कार चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि नंदुरबार से धनोरा रोड पर पिंपलोद गांव से एक किमी दूर एक बाइक खराब हो गई थी। अंधेरा होने की वजह से बाइक सवार की सहायता के लिए दो और बाइकें मौके पर रुक गईं। इसी बीच नंदुरबार से धनोरा की ओर तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो ने रोड के किनारे बाइक के साथ लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाली मुंबई की महिला फातिमा गिरफ्तार

मुंबई ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार सुबह जान से मारने की धमकी देने के मामले में एटीएस ने के ठाणे के उल्हासनगर में एक फातिमा नाम की महिला को पकड़ कर मुंबई लाई है। महिला का मानसिक हालत ठीक नहीं बताई जा रही है। इसलिए उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस उसकी मानसिक जांच कराएगी। पुलिस ने उसे पकडऩे के बाद नोटिस दिया गया है। महिला की उम्र 24 साल है। महिला ने मुंबई पुलिस को दी धमकी में कहा था कि अगर योगी आदित्यनाथ ने 10 दिन में इस्तीफा नहीं दिया तो हम उन्हें बाबा सिद्दीकी की तरह मार डालेंगे। बताया जा रहा है कि फातिमा महाराष्ट्र के ठाणे के उल्हासनगर की रहने वाली है। उसके पिता का लकड़ी के कारोबारी हैं। पुलिस के मुताबिक फातिमा पढ़ी–लिखी है, लेकिन मानसिक रूप से ठीक नहीं है। उसने सीएम योगी को जान से मारने की धमकी क्यों दी, अभी तक इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। बता दें कि रविवार सुबह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल नंबर पर यह संदेश आया था। जिसमें लिखा है, अगर योगी आदित्यनाथ ने 10 दिन में इस्तीफा नहीं दिया, तो हम उन्हें बाबा सिद्दीकी की तरह मार डालेंगे। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात ने मुंबई पुलिस कंट्रोल को मैसेज कर सीएम योगी को जान से मारने की धमकी दी। मुंबई पुलिस ने इस धमकी की जानकारी यूपी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने इस मामले पर तत्परता दिखाते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए कई ऐंगल पर एक साथ जांच कर रही है। साथ ही जरूरत पडऩे पर मुंबई पुलिस से भी सहायता ली जाएगी। पहली बार नहीं है जब सीएम योगी को धमकी दी गई है। पिछले साल दिसंबर में और फिर मार्च 2024 में भी जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी साल मार्च में लखनऊके महानगर स्थित नियंत्रण कक्ष में फोन कर सीएम योगी आदित्यनाथ को धमकी दी गई थी। पुलिस ने बताया था कि रात करीब 10 बजे एक नंबर से कॉल आई थी। कथित तौर पर एक युवक ने फोन कर सीएम योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की बात कही थी। वहीं दिसंबर 2023 में सीएम योगी, राम मंदिर और यूपी एसटीएफ चीफ को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। बताया गया था कि एक मेल कर योगी आदित्यनाथ, तत्कालीन एसटीएफ चीफ को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इस मामले के आरोपी जुबैर खान को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था।

बस मार्शलों पर गंदी राजनीति बंद करे भाजपा : आतिशी

नई दिल्ली , दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को भाजपा नेताओं को बस मार्शलों की बहाली को लेकर गंदी राजनीति बंद करने की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नौकरी से निकाले गए सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों (सीडीवी) को पता है कि उनकी परेशानी की वजह भाजपा है, न कि सत्तारूढ़ आप या उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल।

मुख्यमंत्री ने भाजपा को चुनौती दी कि वह अधिकारियों से उनकी सरकार के उस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए कहें, जिसे इस सप्ताह राजनिवास भेजा जा सकता है ताकि सभी 10 हजार सीडीवी को तुरंत नियमित किया सके।

आतिशी ने गरीब परिवारों के 10 हजार से अधिक बस मार्शलों को रोजगार प्रदान करने और दिल्ली की महिलाओं तथा बच्चों के लिए बस यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए उनकी तैनाती का श्रेय केजरीवाल को देते हुए कहा कि उनकी सेवा में व्यवधान भाजपा द्वारा नियंत्रित अधिकारियों के कारण उत्पन्न हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के अधिकारियों ने अप्रैल 2023 में बस मार्शलों का वेतन रोक दिया और उन्हें बर्खास्त करने के लिए फाइलों पर लगातार नकारात्मक नोटिंग की। आतिशी ने मीडियाकर्मियों से कहा, यह अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार के प्रयासों के कारण ही संभव हुआ कि बाधाओं के बावजूद बस मार्शलों को वेतन जारी किया गया। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल ने बस मार्शलों की बहाली तक उनके संघर्ष में शामिल होने का वादा किया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर यह हमला उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा शनिवार को लिखे गए एक पत्र के बाद किया है, जिसमें उन्होंने 1 नवंबर से प्रदूषण नियंत्रण के लिए सीडीवी को फिर से शामिल करने का प्रस्ताव लाने में दिल्ली सरकार की असमर्थता पर नाराजगी व्यक्त की थी। सक्सेना ने कहा कि उन्होंने शहर में प्रदूषित हवा से निपटने के उपाय के रूप में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों (सीडीवी) की शीघ्र पुनर्नियुक्ति की मांग की थी। एलजी ने कहा कि उनकी समय पर बहाली से प्रदूषण से लडऩे में मदद मिली होती और उनके कल्याण में योगदान मिला होता। सीएम आतिशी ने रविवार को भाजपा को एक ऐसी पार्टी बताया जो आंदोलनकारी बस मार्शलों को लाठियों से पिटवाती है और दिल्ली और देश भर में अनुबंध कर्मचारियों के कल्याण का विरोध करती है। आतिशी ने कहा, विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लाखों संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। सीएम ने दिल्ली में अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करने में आप सरकार का रिपोर्ट कार्ड भी पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, आप सरकार ने पिछले दो साल में 10,000 से ज्यादा संविदा पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को नियमित किया है।

वाराणसी : भैया दूज पर बहनों ने रखा व्रत, पूरे विधि–विधान से की पूजा

वाराणसी ,देशभर में गोवर्धन पूजा के बाद रविवार को भैया दूज का पर्व मनाया गया। देश की धार्मिक नगरी काशी में भी इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। यहां पर भैया दूज मनाने वाली महिलाओं ने इसको मनाने के पीछे की कहानी सुनाई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भैया दूज के दिन बहनें व्रत रहने के साथ कथा सुनती हैं। कथा में बहन, भाई को श्राप देती हैं। उसके बाद बहन उस श्राप से मुक्ति की कामना भी करती हैं। कथा सुनने के बाद बहनें, भाई को मिठाई खिलाने के बाद व्रत को पूरा करती हैं और भाई की लंबी उम्र की प्रार्थना करती है। एक व्रती महिला दीप्ति श्रीवास्तव ने बताया कि बहनें अपनी भाई की लंबी आयु के लिए भैया दूज का व्रत रखती हैं। भैया दूज पर आधे दिन के लिए हम लोग व्रत रखते हैं, सुबह से ही पूजा के लिए खास तैयारी करते हैं।

रेलवे ने चलाई 39 और नई स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली ,छठ पर्व पर घर जाने के लिए दिल्ली के स्टेशनों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। रेलवे स्टेशन पर औसतन हर घंटे ट्रेन चल रही है। बावजूद भीड़ इतनी है कि ट्रेन कम पड़ जा रही हैं। रेलवे इस साल 7,435 विशेष गाड़ियों का संचालन कर रहा है। इसी कड़ी में रविवार को रेलवे ने 188 विशेष ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों से रवाना किया। उमड़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सोमवार के लिए खास तैयारी की है। दिल्ली के सभी स्टेशनों से पूर्वांचल के लिए करीब 39 ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके साथ महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रेलवे ने अतिरिक्त कोच की व्यवस्था की है। अधिक भीड़ होने की स्थिति में तत्काल स्पेशल ट्रेन बनाकर चलाया जा सके। स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधाओं व ट्रेनों के आवागमन की सही समय की देखरेख के लिए रेलवे बोर्ड, जोनल रेलवे मंडल तथा स्टेशन स्तर पर विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है। कतारबद्ध तरीके से यात्रियों को ट्रेन में प्रवेश की व्यवस्था कर भीड़ प्रबंधन किया जा रहा है। अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान की तैनाती की गई है।

आरक्षित टिकट के लिए स्टेशन पर भटक रहे है लोग

रेलवे की तरफ से तमाम इंतजाम भीड़ के सामने कमतर साबित होता दिखाई पड़ रहा है। रविवार को तो जाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी ऐसे में ट्रेन की कमी साफ तौर पर स्टेशनों पर दिखी।

अयोध्या को मिलेगी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और सामुदायिक केंद्र की सौगात

–मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के तहत 4.42 करोड़ की लागत से होगा तैयार

अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबसे प्रिय नगरी अयोध्या विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। योगी सरकार द्वारा युवाओं के शारीरिक विकास का भी ख्याल रखने की योजना पर काम शुरू हो गया है।

इसके लिए नगर निगम मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के अंतर्गत अयोध्या में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की नींव रखवायेगा। जल्द ही जमथरा के निकट आठ हजार स्कवायर मीटर भूमि पर आधुनिक खेलों के मैदान का हब तैयार किया जाएगा। भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में विकास का कार्य तेज हो गया है। रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होते ही मानो श्रीराम खुद ही विकास कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में जमथरा में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और प्रयागराज हाईवे स्थित पुरुषोत्तम नगर वार्ड में सामुदायिक केंद्र बनाने की योजना तैयार हुई है। दोनों को मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के अंतर्गत ही बनवाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम दोनों जगह अपनी खाली पड़ी भूमि को चिह्नित भी कर चुका है। जमथरा के निकट बनने वाले स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आधुनिक खेलों के मैदान रहेंगे।

नाइजीरिया में सेना ने मार गिराए 187 संदिग्ध आतंकवादी

अबुजा ,नाइजीरियाई सेना ने देशभर में चलाए गए आतंकी विरोधी अभियान के तहत 187 से अधिक संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह देश भर में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत नाइजीरियाई सेना ने 187 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया है। इसके अलावा 262 अन्य को गिरफ्तार किया है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बूबा ने शनिवार को राजधानी अबुजा में एक बयान में कहा कि 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर के बीच 19 संदिग्ध आतंकवादियों ने सेना के सामने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा, सेना ने अपने आतंकवाद–विरोधी अभियानों में बड़ी सफलता हासिल की है।

देश में हर हाल में लागू होगी यूसीसी, आदिवासी इसके दायरे से रहेंगे बाहर : अमित शाह

रांची , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को रांची में कहा कि पूरे देश में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) हर हाल में लागू होगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा।अमित शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर केंद्र की सरकार की योजनाओं को लटकाने और राज्य में पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया।झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, झारखंड का ये चुनाव न केवल सरकार बदलने का चुनाव है, बल्कि झारखंड का भविष्य सुरक्षित करने का चुनाव है। झारखंड की महान जनता को तय करना है कि भ्रष्टाचार में डूबी हुई सरकार चाहिए या विकास के रास्ते पर चलती हुई पीएम मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार चाहिए। घुसपैठ कराकर झारखंड की अस्मिता को खतरे में डालने वाली सरकार चाहिए या परिंदा भी पर न मार सके ऐसी सरहद की सुरक्षा करने वाली बीजेपी सरकार चाहिए।उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। घुसपैठियों को नहीं रोका गया तो राज्य की संस्कृति, रोजगार और अस्मिता पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। केंद्र सरकार राज्य में एक–एक बांग्लादेशी घुसपैठिए की पहचान कर उन्हें डिपोर्ट करेगी। हेमंत सोरेन को घुसपैठियों में अपना वोट बैंक दिखाई देता है। घुसपैठियों की वजह से आदिवासियों की संख्या घट रही है, डेमोग्राफी बदल रही है और हेमंत सोरेन की सरकार अपनी धुन में मस्त है। मैं आपसे वादा करता हूं कि बीजेपी सरकार आएगी, तो घुसपैठियों को झारखंड से बाहर निकालेगी।अमित शाह ने कहा, असम में बीजेपी सरकार आई और आज असम में घुसपैठ बंद हो गई है। हम रोटी, बेटी और माटी तीनों का संरक्षण करेंगे। शाह ने कहा कि झारखंड अलग राज्य अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया था और इसे संवारने का काम नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार ने किया, लेकिन पांच साल पहले जब हेमंत सोरेन की सरकार आई तो उसने डबल इंजन सरकार के वक्त शुरू हुई तमाम विकास योजनाओं को ठप कर दिया।

सम्पादकीय

यात्रा के उत्साहजनक आंकड़े

उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा संपन्न होने की दिशा में है और यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट बंद होते ही चारधाम यात्रा का वर्तमान सत्र सकुशल संपन्न हो गया है। वहीं श्री बदरीनाथ धाम मंदिर परिसर में पंचाग गणना के अनुसार इस बार 17 नवंबर को रात 9 बजकर 7 मिनट पर विधि–विधान के साथ कपाट बंद किए जाएंगे। इस बार की यात्राकाल की खास बात यह है कि गत वर्ष की अपेक्षा 30 दिन पहले यात्रा समाप्त हुई है लेकिन इसके बावजूद जो आंकड़े मिले हैं वह उत्साह जनक है। आंकड़े बताते हैं कि इस बार श्रद्धालुओं की दैनिक औसत संख्या 713 बढी है। समान अवधि की तुलना करने पर भी इस बार दोनों धामों में आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में लगभग डेढ लाख की वृद्धि हुई है। इस साल गत 10 मई 2024 को कपाट खुलने के बाद 177 दिनों के अवधि के बाद गंगोत्री के कपाट गत दिन बंद हुए हैं और 178 दिनों के बाद यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हुए हैं। इस वर्ष इन गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में कुल 1530028 तीर्थयात्रियों का पदार्पण हुआ और इन दोनों धामों में यात्रियों का दैनिक औसत 8620 रहा है। जबकि गत वर्ष 30 दिन अधिक अवधि के यात्राकाल में इन दोनों धामों में कुल 1640701 श्रद्धालुओं का आगमन हुआ था और प्रतिदिन औसतन 7907 तीर्थयात्रियों की आमद हुई थी। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 149914 यात्री अधिक पहुँचे हैं। गंगोत्री धाम में इस बार 815273 तथा यमुनोत्री धाम में 714755 श्रद्धालुओं का पदार्पण हुआ है, जबकि पिछले साल इसी दौरान गंगोत्री में 764394 और यमुनोत्री में 615720 तीर्थयात्री आए थे। इस प्रकार तीर्थयात्रियों की आमद में पिछले साल की तुलना में समान अवधि में गंगोत्री में इस बार 100518 तथा यमुनोत्री में 99035 की वृद्धि हुई है।

चार धाम यात्रा को सुचारू रूप से चलने के लिए राज्य सरकार काफी प्रयास करती है और इसके लिए बुनियादी सुविधाएं भी महिया कराई जाती है। इनमें स्वास्थ्य परिवहन ऊर्जा सहित सभी विभागों को एक साथ लगाया जाता है ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस बार भी राज्य सरकार की ओर से भगीरथ प्रयास किए गए और उसी का परिणाम है कि दोनों धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। शुरूआती दौर में भारी भीड़ उमड़ आने के कारण सामने आई चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करते हुए प्रशासन के द्वारा यात्रा का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। खास तौर से मानसून के समय आने वाली परेशानियों को प्राथमिकता पर रखा गया था और दोनों ही धर्मों में बरसात के दौरान राहत तंत्र मुतैद नजर आया। फलस्वरूप इस बार यात्रा बाधित नहीं हुई। प्रशासन के द्वारा यात्री सुविधाओं और सुरक्षा को प्रमुखता दिए जाने के कारण यात्रा मार्गों पर दुर्घटनाओं की घटनाएं भी इस बार अधिक नजर नहीं आई और यात्रियों ने भी उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। हर यात्रा अपने पीछे एक सबक भी छोड़कर जाती है और उसे प्रशासन व स्थानीय लोगों को आगामी तैयारी के लिए सीखना चाहिए। अब आगामी चारधाम यात्रा को और अधिक सुगम, सुरक्षित व सुव्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए यात्रा व्यवस्था से जुड़े सभी लोगों को प्रतिबद्धता से प्रयासरत रहना होगा। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा राज्य के विकास और धार्मिक सहिष्णुता व पर्यटन से भी जुड़ी हुई है इसलिए अब अगले वर्ष यात्रा की तैयारियों में अभी से जुटना होगा।

भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को अत्याधुनिक डिजिटल बढ़ावा

जगत प्रकाश नड्डा

बीमारियों को रोकने में टीकों की भूमिका वर्ष 1796 से ही अहम साबित होती आ रही है, जब जानलेवा बीमारी चेचक के विरुद्ध पहला टीकाकरण किया गया था। पिछले 50 सालों में ही टीकों से वैश्विक स्तर पर 15 करोड़ से अधिक लोगों की जानें बचाई गई हैं, जो प्रत्येक वर्ष प्रति मिनट 6 लोगों की जान बचाने के बराबर है।

जीवन रक्षा भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) का एक प्रमुख अभियान है। प्रत्येक वर्ष 2.6 करोड़ से ज़्यादा नवजात शिशुओं को यूआईपी के तहत खसरा, डिप्थीरिया, पोलियो आदि 12 रोकथाम योग्य बीमारियों के विरुद्ध टीके लगाए जाते हैं। ये रोग जीवन के लिए ख़तरा हो सकते हैं या बच्चे के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

यद्यपि, यह कार्यक्रम वर्ष 1985 में शुरू हुआ था, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसका अधिक तेजी से विस्तार हुआ है। भारत सरकार के मिशन इंद्रधनुष जैसे सघन अभियानों के परिणामस्वरूप टीकाकरण कवरेज 90त्न से अधिक तक बढ़ गई है। तथापि, 100त्न टीकाकरण कवरेज हासिल करने के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कुछ क्षेत्रों और समुदायों में टीकाकरण के प्रति हिचकिचाहट से लेकर पलायन के कारण बीच में ही टीकाकरण छोड़ देने जैसे कई ऐसे कारण हैं जिनसे कुछ बच्चों का टीकाकरण आंशिक रूप से ही हो पाता है या बिल्कुल नहीं हो पाता।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सरकार ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और हर बच्चे और गर्भवती महिला का टीकाकरण करने के मिशन के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने टीकाकरण कवरेज का अधिकतम विस्तार करने के लिए यू–विन (यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम–विन) नामक एक तकनीकी समाधान की परिकल्पना की है। यू–विन एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है जो पूरे भारत में सभी गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण की स्थिति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीकृत और मॉनिटर करता है।

यू–विन अनिवार्य रूप से एक नाम–आधारित रजिस्ट्री है, जो कहीं भी, कभी भी टीकाकरण की सुविधा प्रदान करती है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस प्लेटफ़ॉर्म पर टीकाकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए इसमें कई विशेषताएं मौजूद हैं। गर्भवती महिलाएँ यू–विन ऐप या पोर्टल के ज़रिए खुद को पंजीकृत कर सकती हैं या पंजीकरण के लिए निकटतम टीकाकरण केंद्र में जा सकती हैं।

एक बार पंजीकृत होने के बाद स्वास्थ्य परिचर गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण टीकाकरण को ट्रैक कर सकते हैं, प्रसव के परिणामों को रिकॉर्ड कर सकते हैं, नवजात शिशु को पंजीकृत कर सकते हैं जिससे कि उनका भी टीकाकरण कार्यक्रम आरंभ किया जा सके। इस टीकाकरण–कार्यक्रम को कार्यक्रम प्रबंधक तब तक ट्रैक कर सकते हैं, जब तक कि बच्चा 16 वर्ष का न हो जाए।यू–विन से माता–पिता और अभिभावकों को काफी सुविधाएं मिलती हैं, जिनसे वे देश में कहीं भी टीकाकरण सेवाओं तक पहुँच सकते हैं और सिर्फ़ एक बटन क्लिक करके अपने बच्चों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म पर अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जो प्रवासी कामगारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

यू–विन 11 भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे प्लेटफ़ॉर्म की पहुँच और अधिक व्यापक हो गई है। रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण इसकी एक अन्य प्रमुख विशेषता है। हर बार जब कोई सत्यापित लाभार्थी टीका लगवाता है, तो तत्समय डिजिटल टीकाकरण का रिकॉर्ड बन जाता है। लाभार्थियों को एक डिजिटल पावती और एक क्यूआर–आधारित प्रमाण–पत्र भी मिलता है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है और चलते–फिरते सत्यापन के लिए मोबाइल डिवाइस पर संग्रहित किया जा सकता है, जो विशेष रूप से स्कूल में प्रवेश और यात्रा के लिए उपयोगी होता है।इसके अलावा, प्लेटफ़ॉर्म आगामी टीकाकरण की खुराकों के लिए एसएमएस द्वारा सूचना और अनुस्मारक भेजता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि अभिभावक और स्वास्थ्य परिचर्याकर्मी खुराकों के बीच निर्धारित न्यूनतम अंतराल का पालन करें।

यू–विन अनिवार्य रूप से एक नाम–आधारित रजिस्ट्री है, जो कहीं भी, कभी भी टीकाकरण की सुविधा प्रदान करती है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस प्लेटफ़ॉर्म पर टीकाकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए इसमें कई विशेषताएं मौजूद हैं। गर्भवती महिलाएँ यू–विन ऐप या पोर्टल के ज़रिए खुद को पंजीकृत कर सकती हैं या पंजीकरण के लिए निकटतम टीकाकरण केंद्र में जा सकती हैं।एक बार पंजीकृत होने के बाद स्वास्थ्य परिचर गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण टीकाकरण को ट्रैक कर सकते हैं, प्रसव के परिणामों को रिकॉर्ड कर सकते हैं, नवजात शिशु को पंजीकृत कर सकते हैं जिससे कि उनका भी टीकाकरण कार्यक्रम आरंभ किया जा सके। इस टीकाकरण–कार्यक्रम को कार्यक्रम प्रबंधक तब तक ट्रैक कर सकते हैं, जब तक कि बच्चा 16 वर्ष का न हो जाए।यू–विन से माता–पिता और अभिभावकों को काफी सुविधाएं मिलती हैं, जिनसे वे देश में कहीं भी टीकाकरण सेवाओं तक पहुँच सकते हैं और सिर्फ़ एक बटन क्लिक करके अपने बच्चों को सुरक्षित कर सकते हैं।

यू–विन टीकाकरण की देय सूची बनाने में एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं की भी सहायता करता है और लाभार्थियों को समय पर टीका लगाना सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रयासों में सहयोग करता है।

पिछले 10 वर्षों में, भारत ने स्वास्थ्य परिचर्या में क्रांति लाने के लिए देश में ही विकसित स्वास्थ्य प्रणालियों पर भरोसा किया है। वर्ष 2014 में शुरू किए गए इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (ई–विन) ने टीकों को प्राप्त करने, संग्रहीत करने और अंतिम छोर तक वितरित करने के तरीके को बदल दिया है। कोविड–19 महामारी के दौरान, दुनिया ने भारत के कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम हेतु आधारभूत प्रौद्योगिकी को–विन की सफलता देखी, जिसने 18 महीने से भी कम समय में कोविड–19 टीकाकरण की 220 करोड़ खुराकें लगाने में मदद की। अब यू–विन से टीकाकरण सेवाओं का समस्त परिदृश्य परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे टीकाकरण कवरेज में काफी सुधार होगा।

भारत जैसे–जैसे एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, सुदृढ़ टीकाकरण कार्यक्रमों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता सिर्फ एक स्वास्थ्य पहल नहीं है–बल्कि यह भविष्य के लिए एक आधारभूत निवेश है। उन्नत डिजिटल अवसंरचना और व्यापक जन स्वास्थ्य कार्यनीतियों के माध्यम से अपने सबसे कम उम्र के नागरिकों के टीकाकरण को प्राथमिकता देकर भारत न केवल रोकथाम योग्य बीमारियों से लड़ रहा है, बल्कि एक स्वस्थ, और आर्थिक रूप से सक्षम आबादी को भी बढ़ावा दे रहा है।

ये प्रयास एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं, जहाँ कोई भी बच्चा जीवन रक्षक टीके लगवाने से वंचित न रहे, चाहे वह जम्मू और कश्मीर के बर्फीले क्षेत्रों में हों, कच्छ के रेगिस्तान में, अरुणाचल प्रदेश की सीमाओं पर या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के नीले पानी से घिरे गाँवों में रहता हो।

ब्रिक्स में मोदी के रूख अंहम और विचारणीय

हरिशंकर व्यास

लाख टके का सवाल है कि भारत का रूपया चीन की युआन, रूस के रूबल करेंसी के लेन–देन में सुरक्षित है या डालर की व्यवस्था में? आजादी के बाद विश्व व्यापार में भारत का डालर में लेन–देन क्या भरोसेमंद या सुरक्षित था या नहीं? और यदि सुरक्षित था तो वह क्यों चीन–रूस की युआन–रूबल की नई विश्व लेन–देन व्यवस्था का ग्राहक या साझेदार बने? क्या चीनी वर्चस्वता की व्यवस्था में भारत की व्यापारिक–आर्थिक संप्रभुता को अधिक गारंटी होगी? यह सवाल कजाक की ब्रिक्स बैठक में पुतिन, शी जिन पिंग के एजेंडे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूख में अंहम और विचारणीय है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने मिसाल दी कि रूस और चीन अब अपना 95 प्रतिशत व्यापार रूबल और युआन में कर रहे है। उन्हे अमेरिकी डालर केंद्रीत अंतरराष्ट्रीय लेन देन व्यवस्था, स्विफ्ट की जरूरत नहीं है।सवाल है पुतिन को ऐसी लॉबिग करने की जरूरत क्यों है? इसलिए क्योंकि यूक्रेन की लड़ाई के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर पाबंदियां लगाई है। वही चीन अपने आर्थिक साम्राज्य, भविष्य की सभ्यतागत धुरी के उद्देश्यों में, दुनिया के स्थाई नबर एक औद्योगिक कारखाने, व्यापार की नंबर एक हैसियत में स्वभाविक तौर पर सालों से चाह रहा है कि वैश्विक लेनदेन में डालर की जगह उसकी युआन करेंसी का उपयोग हो।

कजाक की ब्रिक्स बैठक का यह प्रमुख उद्देश्य था। लेकिन गनीमत है जो भारत और ब्राजिल चीन के असली मकसद (वर्चस्वता) को लेकर सर्तक है। चीन ने पहले इंफ्रास्ट्रक्चर बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और अब ब्रिक्स के नाम पर नई वैश्विक वित्तिय व्यवस्था का तानाबाना बनाया है। भारत उससे बचता, दूर रहता दिख रहा है। और यह सही है। कोई हर्ज नहीं है जो दो देश अपनी–अपनी करेंसी में एक–दूसरे याकि द्विपक्षीय आधार पर व्यापार करें। रूस और भारत में दशकों रूबल और रूपए में लेनदेन रहा है। अभी भी है। लेकिन भारत कैसे चीनी करेंसी युआन की प्राथमिकता में अपना लेनदेन बना सकता है? रूस, चीन, पाकिस्तान जैसे मवाली देशों की करेंसियों के एक्सचेंज में रूपए को क्यों बांधे? पहली बात इन करेंसियों में वैश्विक पैमाने की संपदा और लेनदेन नहीं है। दूसरे रूस और चीन जब व्यवहार में मवालीपना, देशों की एकता–अखंडता में हमलावर, वर्चस्ववादी, आंतकवाद के पोषक तथा हवाला लेन–देन वाले है तो इनकी टोकरी में अपने रूपए को रख भारत कितनी जोखिम मोल लिए हुए होगा? चीन और रूस नियंत्रित किसी भी सिस्टम में पारदर्शिता क्या हो सकती है, इसे समझना मुश्किल नहीं है।

हकीकत है कि एक योरोपीय देश बेल्जियम से संचालित अंतरराष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम की पारदर्शिता पर कभी ऊंगली नहीं उठी। इसकी करेंसी डालर है। इसलिए आंतकवाद, रूस–चीन–पाकिस्तान जैसे मवाली देशों के दो नंबरी या आंतकवादी फंडिग की लेन–देन का पता लग जाता है। कल्पना करें, इसकी जगह मास्को या बीजिंग में युआन करेंसी के अंतरराष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम में काम हुआ तो उससे भारत क्या आंतकी फंडिग का सही ब्यौरा पा सकेगा? यह एक्सचेंज रूपए की रेट में उतार–चढ़ाव में लगड़ी मारते हुए क्या नहीं होगा? अन्य शब्दों में नए अंतरराष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम में भारत के लिए सुरक्षा, भरोसे, पारदर्शिता की क्या गारंटी है? सही है मौजूदा स्विफ्ट व्यवस्था में डालर के कारण अमेरिका का रूतबा है। अमेरिका और पश्चीमी देश हमलावर रूस पर पाबंदी लगाते है या आंतकवादी संगठनों के खिलाफ जंग का ऐलान करते है तो रूस और आंतकी संगठनों की सचमुच कमर टूटती है लेकिन उससे भारत को नुकसान है या लाभ? क्या भारत को सीमा पर चीन, पाकिस्तान के मवालीपने का अनुभव नहीं है? क्या आंतकियों का उसे स्थाई खतरा नहीं है? फिर इस सत्य की भी कैसे अनदेखी हो सकती है कि विश्व व्यापार का अस्सी प्रतिशत लेनदेन, बिलिंग डालर में हो रही है वहीं दुनिया भर के बैंकों का विदेशी मुद्रा कोष 60 प्रतिशत डालर करेंसी में रिजर्व है।इसलिए अच्छा हुआ, जो कजाक में पुतिन–शी जिन पिंग के वेकल्पिक अंतरराष्ट्रीय पेमेंट सिस्टम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्साह नहीं दिखाया।

जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी

अमेरिका में बैठे कांग्रेस हितैषी सैम पित्रोदा (सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा) ने सुदूर भारत की उनींदे से चुनाव प्रचार में करंट पैदा कर दिया है। उन्होंने अमेरिकी विरासत–कर प्रणाली की सराहना करते हुए भारत में इसकी संभावना पर विचार करने को कहा है। इस एक मशविरा ने भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस पर हमले के लिए दोनों हाथों में मुद्दा दे दिया है–एक ब्रह्मास्त्र थमा दिया है। वे इसे पुरखों की गाढ़ी कमाई से खड़ी की गई संपत्ति–परिसंपत्ति पर पंजा मारने की लुटेरी नीयत मान रहे हैं।उसका ह्यलूट प्लान जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी जारी रहने वाला है यानी माता–पिता के जीवित रहते कर लेंगे और उनके बाद वारिसों से भी। वे खुल्लमखुल्ला इशारा कर रहे हैं कि कांग्रेस उनकी संपत्ति छीन कर किसी को (मुसलमानों को?) दे देगी। धन–संपदा मनुष्य की एक स्थायी नैसर्गिक कामना है। इसे हथियाने की बात होगी तो लोग–बाग कांग्रेस से बिदकेंगे ही।

पित्रोदा के सहसा सीन में आने के दो दिन पहले तक मोदी कांग्रेस के मैनिफेस्टो में संपत्ति के सर्वेक्षण पर समझा रहे थे कि कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति छीन कर ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले और घुसपैठिए को दे देगी–महिलाओं से उनके मंगलसूत्र तक छीन लेगी। जबकि कांग्रेस का एजेंडा एक दशक में बढ़ी आय–असमानता की वजहों की जांच का है। पर मैनिफेस्टो से मोदी के जबरदस्ती निकाले जिन ने लोगों को डराना शुरू कर दिया। तब भी मोदी इन हथियारों की मारकता शेष चुनाव तक बने रहने पर आस्त नहीं थे। वे कांग्रेस और उसके गठबंधन के दुष्प्रचार के आगे डिफेंसिव थे। जो कह रहे थे कि ह्यमोदी अबकी सत्ता में आए तो न आगे चुनाव होगा, न संविधान बचेगा और न आरक्षण रहेगा। लेकिन पित्रोदा की गलत टाइमिंग ने मोदी का समय सही कर दिया। वे फ्रंट पर हैं और विपक्ष बैकफुट पर। हालांकि कांग्रेस ने सैम की राय को निजी बता कर पल्ला झाड़ लिया है। पर नुकसान की भरपाई मुश्किल है।अमेरिका में कुल विरासती संपत्ति के मूल्य का 55 फीसद हिस्सा सरकार ले लेती है। शेष 45 फीसद पर ही भावी पीढ़ी का हक होता है। यह विश्व के दर्जनों देश में लागू है। भारत में राजीव गांधी सरकार ने वित्तमंत्री वीपी सिंह के सुझाव पर इसे अनुत्पादक मानते हुए निरस्त कर दिया था। पर इस गए विचार ने भारतीय चुनाव में एक नया हलचल पैदा कर दिया है।

हुमा कुरैशी की मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज मिथ्याः द डार्कर चैप्टर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह 2022 में आई मिथ्या की दूसरी किस्त है। हुमा एक बार फिर जूही अधिकारी बन दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी।अब निर्माताओं ने मिथ्याः द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस से भरपूर है और इसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।मिथ्याः द डार्कर चैप्टर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। मिथ्याः द डार्कर चैप्टर का प्रीमियर 1 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है।जी5 ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, क्या होगा जब आपके अतीत के रहस्य आपके वर्तमान को परेशान करने के लिए वापस आएंगे? जूही को यह पता चलने वाला है।इस सीरीज में हुमा के अलावा अवंतिका दासानी, नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता और कृष्णा बिष्ट जैसे सितारे भी नजर आएंगे। कपिल शर्मा ने इस वेब सीरीज का निर्देशन किया है। इस बारे में बात करते हुए हुमा ने एक बयान में कहा, मैं मिथ्या की वापसी से रोमांचित हूं। इस शो ने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपने एक अलग पक्ष को तलाशने के लिए प्रेरित किया है – एक ऐसा व्यक्ति जो परिस्थितियों के कारण कमजोर और प्रतिशोधी है। मैं इस रोमांचक, दमदार भूमिका के लिए मेरे बारे में सोचने के लिए निर्माताओं का आभारी हूं और अपने किरदार के जीवन के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। अवंतिका ने साझा किया, यह शो मेरा पहला शो था, और इसने मेरे लिए व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत कुछ बदल दिया है।

न्यूजीलैंड से मिली शर्मनाक हार के बाद एक्शन मोड में बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारत–न्यूजीलैंड के बीच खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया को 0–3 से हार का सामना करना पड़ा। इस शर्मनाक हार के बाद टीम इंडिया की जमकर आलोचना की जा रही है।

क्या रोहित शर्मा, विराट कोहली, आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी प्लयर्स को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के बाद टेस्ट टीम से ड्रॉप किया जाएगा? हाल ही में न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। ये चार सीनियर खिलाड़ी संभवतः एक साथ में अपना आखिरी घरेलू मैच खेल चुके हैं।

क्या ऋषभ पंत के साथ हुई बेईमानी?

नई दिल्ली।भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई में खेले गए टेस्ट में हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। टीम इंडिया की दूसरी पारी में 22वें ओवर में ऋषभ पंत को आउट करार दिया गया। इससे पहले वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हैरानी की बात तो तब हुई जब मैदानी अंपायर ने पंत को नॉटआउट दिया, लेकिन तीसरे अंपायर ने फैसले को बदल दिया और पंत को आउट करार दिया। इसके बाद पंत काफी गुस्से में और निराश दिखे। उन्होंने बार–बार मैदानी अंपायर को बताने की कोशिश की कि वह नॉटआउट हैं, लेकिन तीसरे अंपायर का फैसला होने के कारण उन्हें वापस जाना पड़ा। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस अंपायरिंग की आलोचना कर रहे हैं और कह रहे हैं कि टीम इंडिया और पंत के साथ बेईमानी हुई है। आइए पूरा मामला जानते हैं... दरअसल, 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 29 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद पंत ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर भारतीय पारी को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी निभाई। जडेजा छह रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पंत ने लगातार दूसरा और टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 48 गेंद में पचास रन पूरे किए। न्यूजीलैंड और जीत के बीच में बस पंत खड़े थे। जहां एक तरफ एजाज विकेट ले रहे थे, वहीं दूसरी तरफ पंत उनकी खूब धुनाई कर रहे थे। 22वें ओवर की चौथी गेंद पर पंत ने शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके पैड से लगकर ब्लंडेल के हाथों में गई।

अनिल कपूर ने शुरू की एक्शन–ड्रामा फिल्म की शूटिंग, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

फिल्म जगत के सुपरस्टार अनिल कपूर जल्द ही आगामी फिल्म सूबेदार में अपनी एक्टिंग से सभी का दिल जीतते नजर आएंगे. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है. एक्शन–ड्रामा फिल्म में अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं. सुरेश त्रिवेणी ने मनोरंजन जगत को ह्यजलसाह्न और तुम्हारी सुलु जैसी सफल फिल्में दी हैं.फिल्म निर्माता ने एक पोस्ट साझा कर फिल्म की शूटिंग शुरू होने की घोषणा की है. इसके साथ ही निर्माता ने फिल्म से अनिल कपूर का लुक भी साझा किया है. फिल्म में अनिल कपूर के साथ राधिका मदान भी मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म में राधिका अनिल कपूर की बेटी श्यामा की भूमिका निभाती नजर आएंगी.

अनिल कपूर और राधिका मदान के साथ–साथ और भी कई शानदार कलाकार अहम रोल में हैं.

वहीं, फिल्म की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो ह्यसूबेदारह्न भारतीय पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें सूबेदार अर्जुन मौर्य की कहानी दिखाई गई है. इसमें वह तमाम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की चुनौतियों से जूझता है और अपनी बेटी के साथ तनावपूर्ण संबंधों को संभालता है.कभी देश के लिए लड़ने वाले एक सैनिक को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अपने भीतर के दुश्मनों से लड़ना होगा. अनिल ने जून 2024 की शुरुआत में ही फिल्म की तैयारी शुरू कर दी थी.सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित फिल्म विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्मित है और सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर द्वारा लिखित है. फिल्म के संवाद को सुरेश त्रिवेणी और सौरभ ने लिखा है. यह फिल्म प्राइम वीडियो पर आएगी.इस बीच पेशेवर काम की बात करें तो अनिल कपूर हाल ही में स्ट्रीमिंग रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी के तीसरे सीजन की मेजबानी करते नजर आए थे. बिग बॉस ओटीटी की जीत का ताज सना मकबूल के सिर पर सजा था.

अनीस बज्मी संग अजय देवगन की फिल्म नाम का एलान, सिघंम अगेन के बाद होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म नाम 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इसे भूल भुलैया के निर्देशक अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है. हलचल, प्यार तो होना ही था और दीवानगी के बाद यह अजय के साथ बज्मी की चौथी फिल्म होगी. नाम के मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर के साथ इसकी अनाउंसमेंट की. पहले माना जा रहा था कि फिल्म 2022 में रिलीज होगी. हालांकि, कई बार टलने के बाद, फिल्म अब 22 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाम एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है. फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है. इस फिल्म में पहले प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थी, लेकिन उन्होंने पीछे हटकर अपनी जगह समीरा रेड्डी को ले लिया. नाम में भूमिका चावला भी हैं.

मुंबई टेस्ट में रोहित शर्मा की कप्तानी पर लगे 'दाग पर दाग

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने मुंबई में वो कर दिखाया जो कोई भी टीम अभी तक भारत में नहीं कर पाई थी। भारत साल 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है और अभी तक उसे अपने घर में तीन या इससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप नहीं झेलना पड़ा था।

टॉम लैथम की कप्तानी वाली टीम ने ये काम कर दिखाया। न्यूजीलैंड ने मुंबई टेस्ट मैच 25 रनों से जीत 3–0 से सीरीज अपने नाम की। भारत को इस मैच को जीतने के लिए 147 रनों की जरूरत थी। उसके पास लगभग तीन दिन का समय बचा था। लेकिन टीम इंडिया मैच के तीसरे दिन रविवार को दूसरे सेशन में 121 रनों पर ढेर हो गई। इस हार के साथ ही भारत के दामन में कई दाग लगे तो न्यूजीलैंड ने इतिहास रचते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

मुंबई टेस्ट मैच में बने रिकॉर्ड्स

ये पहली बार है जब भारत को तीन या इससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने घर में क्लीन स्वीप होना पड़ा है। वहीं 2000 के बाद ये पहली बार जब भारत को अपने घर में किसी टीम ने क्लीन स्वीप किया है। साल 2000 में साउथ अफ्रीका ने भारत को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 से हराया था। इसके अलावा ये तीसरा मौका है जब भारत को उसके घर में किसी टीम ने क्लीन स्वीप किया है। सबसे पहले इंग्लैंड ने साल 1980 में भारत को टेस्ट सीरीज में 1–0 से हराया था। 1983 के बाद पहली बार भारत को अपने घर में लगातार तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। 1958 से 1980 तक भारत पांच बार लगातार तीन टेस्ट अपने घर में हारा था। न्यूजीलैंड की टीम पहली बार किसी सीरीज में लगातार तीन टेस्ट मैच जीती है। भारत अपने घर में पहली बार 200 या उससे कम का टारगेट चेज करने में फेल रहा है। इससे पहले टीम इंडिया के सामने 31 बार 200 या उससे कम का टारगेट आया था जो उसने हासिल कर लिया था।

एक नजर

पुलिस ने अपराध के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी: पुलिस ने पैठाणी थानाक्षेत्र में अभियान चलाकर ग्रामीणों को अपराध सहित विभिन्न विषयों पर जागरूक किया। कहा कि किसी भी तरह का अपराध होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देश पर जिलेभर में पुलिस द्वारा जनता को जागरूक करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। पैठाणी पुलिस ने थानाध्यक्ष पैठाणी सुनील रावत के नेतृत्व में ग्रामसभा बघेली में महिला मंगल दल के सदस्यों के साथ–साथ अन्य ग्रामीणों बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन, नशा मुक्ति, यातायात नियमों से संबंधित सुझाव और निवारण, साइबर क्राइम एवं महिला संबंधी अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया। इस दौरान बताया गया कि इन दिनों साइबर अपराध के लिए ठग कई तरीके अपनाने रहे हैं। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना खाता नंबर न दें। उन्होंने किसी भी तरह की दिक्कत होने पर पुलिस को सूचना देने की अपील की। पुलिस टीम में एसआई अजय कुमार रमन, हेडकांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल राजेंद्र सिंह शामिल थे।

अल्मोड़ा की वादियों की सैर के लिए पर्यटकों को मिलेगी नई सुविधा

अल्मोड़ा। अब पर्यटक साइकिल के जरिए पहाड़ की सुंदर वादियों का सैर कर सकेंगे। इसके लिए पर्यटन विभाग उनको किराए पर साइकिल उपलब्ध करा रहा है। जल्द ही पर्यटक टैक्सी बाइक और स्कूटी से भी पहाड़ घूमने का लुत्फ उठाएंगे।

300 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से किराए में दी जाती है साइकिल

पहाड़ में अधिक पर्यटन साहसिक पर्यटन के लिए पहुंचते हैं। पहाड़ की सुंदर वादियों का पर्यटक चौपहिया से घूम कर आनंद नहीं उठा सकते हैं। इसके लिए पर्यटन विभाग ने साइकिल उपलब्ध कराई है। वर्तमान में विभाग के पास 30 साइकिलें हैं। इन साइकिलों को 300 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से किराए में दिया जाता है।

दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों में उत्तराखंड के एक वैज्ञानिक का भी नाम

अल्मोड़ा । उत्तराखंड के एक वैज्ञानिक का नाम दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हुआ है। पहाड़ी शहर अल्मोड़ा के डॉ. तरुण बेलवाल ने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जगत में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिका की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में खाद्य विज्ञान में उन्हें 498 वीं रैंक दी है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र वासियों में हर्ष व्याप्त है और उनका परिवार गौरवांवित महसूस कर रहा है।

उत्तराखंड में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी

रानीखेत। ब्रितानी दौर के मुख्य सदर बाजार की खूबसूरती को मौलिक स्वरूप दिलाने को कैंट बोर्ड हरकत में आया। खुद मुख्य अधिशासी अधिकारी स्वच्छता निरीक्षक को साथ लेकर अतिक्रमण हटाने बाजार में पहुंचे। सड़क तक दुकान बढ़ाए लोगों को कड़ी हिदायत दी। अचानक हुई कार्रवाई से तमाम दुकानदारों ने खुद ही सामान हटा दुकान की सीमा में रखना शुरू कर दिया। कुछ को चालान की चेतावनी भी दी गई।

अलबत्ता, सड़क किनारे तक बढ़ाई गई दुकानें हटाने के बाद सदर बाजार की रोड कुछ हद तक पुराने स्वरूप में नजर भी आने लगी। सुव्यवस्थित बाजार अभियान के तहत ह्यदैनिक जागरणह्ल में मंगलवार को ह्यरानीखेत के बाजारों की खूबसूरती पर अतिक्रमण का दागह्ल शीर्षक से समाचार हुआ। इसका संज्ञान लेते हुए सीईओ कैंट बोर्ड कुनाल रोहिला की अगुआई में बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करने को अभियान चलाया गया।

प्रशासन ने हटवाया सड़क से दुकानों का अतिक्रमण

स्वच्छता निरीक्षक एपी सिंह व चंदन कुमार ने गांधी चौक से शुरूआत की। यहां सड़क तक बढ़ाकर रखा गया दुकानों का सामान हटवाया गया। कार्रवाई के डर से व्यवसायियों ने खुद भी दुकानें निर्धारित दायरे में समेटनी शुरू कर दी।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य धंस रहा राष्ट्रीय राजमार्ग, बढ़ सकती है परेशानी

● कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य कई स्थानों पर धंसने लगी है सड़क ● नदी की ओर धंस रहे हिस्से से बना है दुर्घटनाओं का अंदेशा

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर वर्षा काल के दौरान गायब हुआ हाईवे का हिस्सा जिसकी अब तक मरम्मत नहीं हुई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः वर्षा काल के बाद से बदहाल पड़े कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ओर समस्या नजर आने लगी है। हालत यह है कि कई स्थानों पर नदी की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा धंसने लगा है। कई स्थानों पर गायब हुए हाईवे के हिस्से से बुनियाद निकलती जा रही है। ऐसे में कब राष्ट्रीय राजमार्ग का बड़ा हिस्सा नदी में समा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो समस्या बढ़ सकती है।

कुछ माह पूर्व वर्षा काल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह मलबा व बोल्डर आ गया था। यही नहीं सात से अधिक स्थानों पर हाईवे का आधा हिस्सा नदी में समा गया था। जिसके कारण वर्षा काल में कई दिन तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह बंद रहा। मलबा हटाने व कई स्थानों पर दोबारा बुनियाद डालने के बाद विभाग ने अनन–फानन में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन प्रारंभ करवाया दिया था। लेकिन, अब वर्षा काल थमने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ओर चुनौती दिखने लगी है। कई स्थानों पर नदी की ओर से सड़क धंसने लगी है, जिसके कारण डामर के बीच में दरारें भी पड़ रही हैं। आमसौड़ से करीब दो किलोमीटर पहले जिस स्थान पर हाईवे का हिस्सा ढहा है वहां पर भी नींव लगातार खोखली हो रही है।

बढ़ रही चुनौती

वर्षा काल के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति गंभीर हो चुकी है। कई स्थानों पर हाईवे भारी वाहनों का वेग तक नहीं उठा पा रहा है। ऐसे में जबरन संचालित हो रहे क्षमता से अधिक भारी वाहन कब मुश्किल खड़ी कर दें कुछ कहा नहीं जा सकता। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग पर गड्ढे व धूल भी चुनौती खड़ी कर रही है। जिससे सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहनों को हो रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया बंदी छोड़ दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गोविंदनगर स्थित गुरु द्वारे में बंदी छोड़ दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान सिख समुदाय के लोगों ने गुरु नानक के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। रहिरास साहिब के पाठ के बाद बंदी छोड़ दिवस के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाए गए। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी गुरजंट सिंह की देखरेख में शबद कीर्तन का गायन हुआ। कथा विचार करते हुए ज्ञानी गुरजंट सिंह ने बंदी छोड़ दिवस पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि छहवें गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब ने ग्वालियर के किले से 52 राजाओं को मुगल शासक की कैद से आजाद कराया था। इन 52 राजाओं के सकुशल अपने राज्यों में पहुंचने पर लोगों ने दीये जलाकर, आतिशबाजी कर और मिष्ठान बांटकर खुशी जताई थी। तब दिवाली का ही दिन था। तभी से सिख धर्म में भी बंदी छोड़ दिवस जीत के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।अनंद साहिब के पाठ, अरदास एवं हुकुमनामे के साथा विशेष दीवान का समापन हुआ। इससे पहले श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे में दीये और मोमबत्ती जलाकर दीपमाला की। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान अनिल कुमार भोला की देखरेख में हुए कार्यक्रम में अश्विनी भाटिया, अशोक भाटिया, महेश भाटिया, डॉ. राजकुमार विज और इंद्रेश भाटिया एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

आठ दिसंबर से होगी फुटबॉल प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: कोट ब्लाक के ऐतिहासिक खेल मैदान में 8 दिसंबर से फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के तहत पुरुष और महिला वर्ग की फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। रविवार को विकासखंड कोट का सबी गो की खेलकूद व सांस्कृतिक समिति की बैठक में प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। रविवार को कोट खेल मैदान में आयोजित समिति की बैठक में समिति के सदस्य तामेश्वर आर्य ने कहा कि 8 दिसंबर से पुरूष जूनियर, सीनियर, महिला फुटबाल, 40 आयु से अधिक वर्ग की फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। बताया कि इस दौरान वालीबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

स्वर्गवासी होने के बाद भी दुनिया देखेगी मृदुला सचदेवा की आंखें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही गोविंदनगर निवासी मृदुला सचदेवा अब इस दुनिया में न हो। लेकिन, वह कुछ ऐसा कर गई कि स्वर्गवासी होने के बाद भी उनकी आंखें दुनिया का दीदार करेंगी। निधन से पूर्व मृदुला सचदेवा ने अपनी आखें दान कर किसी जरूरतमंद के जीवन में उजाला फैलाने का निर्णय लिया। उनके निधन के बाद भी उनकी आंखें किसी अन्य जन के जरिए दुनिया को देख पाएंगी।

73 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका मृदुला सचदेवा की इच्छा थी कि वह अपनी देहदान करें। इसके लिए उन्होंने आवेदन भी भरा था। लेकिन, तीन माह पूर्व अचानक उनका स्वास्थ्य खराब हो गया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने आवास में अंतिम सांस ली। आधारशिला रक्तदान समूह के संचालक दलजीत सिंह ने बताया कि उनकी इच्छा के अनुरूप देह दान की जानी थी। लेकिन, बीमारी के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। बताया कि उनकी स्व.मृदुला सचदेवा की इच्छा का सम्मान करते हुए स्वजनों ने नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया। बताया कि दोपहर में डा.कीर्ति श्रीवास्तव के नेतृत्व में निर्मल नेत्र चिकित्सालय ऋषिकेश की टीम स्व.सचदेवा के आवास में पहुंची और उनके नेत्र की कार्निया को सुरक्षित अपने साथ ले गई।

नाइटराइडर्स ने केम्स क्लब को हराया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भाबर के सत्तीचौड़ स्थित महादेव क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड में सिद्धबली बाबा लीजेंड टी–20 सीजन–2 क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई है। उद्घाटन मैच में कोटद्वार नाइटराइडर्स ने केम्स क्लब को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

रविवार को मुख्य अतिथि लैंसडौन विधायक महंत दिलीप रावत ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से टीम भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात पहला मुकाबला कोटद्वार नाइटराइडर्स और केम्स क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर कोटद्वार नाइटराइडर्स ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केम्स क्लब की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। सुनील चौहान ने सर्वाधिक 37 रन का योगदान दिया। कोटद्वार नाइटराइडर्स की ओर से मनीष, अंकित और किशोर ने दो–दो विकेट लिए। कोटद्वार नाइटराइडर्स की टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर विजयी लक्ष्य को पा लिया। गजेंद्र नेगी ने 29 और मनीष ने 36 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान टूर्नामेंट आयोजन कमेटी के अध्यक्ष जगमोहन नेगी, प्रवेश रावत, अमित नेगी, जितेंद्र सिंह रावत, प्रेम सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

दीपावली संपन्न होने के बाद मैदानी क्षेत्र को बढ़े यात्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दीपावली पर्व संपन्न होने के बाद मैदानी क्षेत्रों के लिए यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। रविवार छुट्टी का दिन होने के कारण बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई दी। हर कोई बस में पहले सीट पाने के लिए दौड़ रहा था। भीड़ को देखते हुए रोडवेज की ओर से अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया। सबसे अधिक यात्री दिल्ली, देहरादून, गुरुग्राम रूट पर दिखाई दिए।

मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रवासी अपने गांव दीपावली मनाने पहुंचे थे। यही कारण है कि पांच दिन पूर्व जहां पहाड़ जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा देखने को मिला। वहीं, अब दीपावली के बाद मैदान की ओर लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। रविवार सुबह से ही पहाड़ से यात्रियों से भरे वाहन कोटद्वार पहुंच रहे थे। यहां से दिल्ली, देहरादून, गुरुग्राम सहित अन्य क्षेत्रों को जाने के लिए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अड्डे से सड़क पर आते ही वाहनों की सीट फुल हो जा रही थी। यहां तक की कई यात्री खिड़की के रास्ते सामान डालकर सीट घेरने का भी प्रयास करते हुए नजर आए। सबसे अधिक परेशानी परिवार के साथ सफर करने वाले लोगों को उठानी पड़ी। कई लोगों को निजी वाहन बुक कर आवागमन करना पड़ा। हालांकि, मैदान के लिए कई रूटों पर उत्तर प्रदेश की बसों का संचालन होने से यात्रियों को काफी राहत मिली।

कोटद्वार के स्टेशन रोड में बस का इंतजार करते यात्री

ओवरलोड वाहन से टूटी विद्युत तार, हुआ हंगामा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः यातायात पुलिस व परिवहन विभाग के लाख दवों के बाद भी शहर में ओवरलोडिंग थमने का नाम नहीं ले रही। सबसे अधिक ओवरलोडिंग कबाड़ लेकर जाने वाले वाहनों में की जा रही है। शनिवार शाम कबाड़ लेकर जा रहे ओवरलोड वाहन से विद्युत तार टूट गई। गनीमत यह रही कि वाहन में गत्ते भरे हुए थे। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

घटना शनिवार देर शाम की है। आमपड़ाव से कबाड़ व गत्ते भरकर एक वाहन बाजार की ओर आ रहा था। इसी दौरान आमपड़ाव के समीप ऊपर से गुजर रही एक विद्युत तार गत्तों से टकराकर टूट गई। पीछे से आ रहे एक स्कूटी सवार पर टूटी हुई तार जाकर टकराई। जिसके बाद मौके पर खड़े युवकों ने वाहन चालक को रोका और उसका विरोध करने लगे। मौके पर खड़े युवाओं ने परिवहन विभाग व यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि पुलिस व परिवहन विभाग दोपहिया वाहन चालकों को परेशान करती है। लेकिन, शहर में बेखौफ घूम रहे ओवरलोड वाहनों पर उसका ध्यान नहीं है। ओवरलोड वाहनों से हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। कुछ माह पूर्व लकड़ीपड़ाव में एक ओवरलोड वाहन सड़क पर पलट गया था। कहा कि जनता के हित को देखते हुए यातायात पुलिस व परिवहन विभाग को गंभीरता दिखानी चाहिए।

वाहन में लदा गत्ते का कबाड़ जिससे विद्युत तार टूटी

स्वच्छता अभियान चलाकर आमजन को किया जागरूक

पौड़ीः पर्यावरण को समर्पित संस्था क्लीन हिमालयन कैंपेन की ओर से रविवार को सफाई अभियान चलाया गया। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 11 के गडोली–बुआखाल बाईपास पर चले सफाई अभियान में स्वयं सेवियों ने चिप्स, नमकीन आदि प्लास्टिक कचरे के साथ ही खाली बोतलें एकत्रित कर पालिका के सुपुर्द किया। रविवार को आयोजित सफाई अभियान में स्वयं सेवियों ने लोगों से अपने आस पास प्लास्टिक कचरे के साथ ही सूखा व गीला कूड़ा गदेरों व नालियों में न फेंकने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने गडोली गांव में कचरा एकत्रित बैग भी वितरित किए। संस्था के संस्थापक हर्षवर्द्धन चंदोला ने सड़कों व गदेरों में फैले कचरे पर चिंता जताई। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर कूड़ा निस्तारण का संकल्प लेने की अपील की। इस मौके पर सचिव मुकेश सिंह, अनूप सिंह, रजनीश कुमार, मनीष ममगांई, राघव नेगी शामिल रहे।

छह वर्षों में भी नहीं बन पाया मार्ग, उठ रहे सवाल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कीर्तिनगर ब्लॉक के लोस्तु और बडियागढ़ क्षेत्र के छह से अधिक गांवों के लिए वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत जब गहड़-देवगढी-पल्यापटाला मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हुआ, तो ग्रामीणों को लगा कि अब उनकी वर्षों पुरानी मुश्किलें आसान होने वाली है। मगर विभाग ने साढ़े 10 किलोमीटर मार्ग के निर्माण में छह वर्ष से भी अधिक का समय लगा दिया। अब करीब डेढ़ वर्ष से काम बंद होने से अधूरा निर्माण कार्य लोगों के लिए परेशानी का कारण बना है।

क्षेत्र के पल्यापटाला, परपुनोली, सरमोली, मोलधार, भराखील, डाडाखील, खोंगचा, पांणव आदि गांवों को सड़क से जोड़ने के लिए पीएमजीएसवाई खंड लोनिवि कीर्तिनगर की ओर से वर्ष 2018 में गहड़–देवगढी–पल्यापटाला मोटर मार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। वर्ष 2021–22 में मार्ग के पांच किमी पर 213 लाख की लागत से 24 मीटर स्पान और नौ किलोमीटर में 258 लाख की लागत से 30 मीटर स्पान के पुलों का निर्माण भी शुरू हुआ। पुलों का निर्माण तो पूरा हो गया लेकिन मार्ग का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हो पाया है। जबकि यह निर्माण कार्य जून 2021 तक पूरा होना था। ग्रामीण बताते है कि अगर यह निर्माण कार्य पूरा हो जाता तो क्षेत्र के लोगों को एक से दूसरे क्षेत्र में आने जाने के लिए भी कम दूरी तय करनी पड़ती। पीएमजीएसवाई वृत लोनिवि श्रीनगर के अधीक्षण अभियंता एसके बसलिया ने बताया कि निर्माण पूरा नहीं होने पर ठेकेदार पर पेनल्टी लगाई गई है।

हल्द्वानी के 35 हजार घरों में लगेगा पानी का स्मार्ट मीटर

हल्द्वानी। पुराने नगर निगम (वार्ड–1 से 33) क्षेत्र के 35 हजार घरों में भी अब पानी के स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के बाद पेयजल निगम ने 149 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार कर शासन में भेज दी है। स्वीकृति मिलने पर दशकों पुरानी पाइपलाइन बदलने के साथ ही घरों में मीटर लगाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

हल्द्वानी के शहरी क्षेत्र में जल संस्थान हर तीन माह में फिक्स धनराशि का बिल घरों मे भेजता है। लेकिन अब जल्द ही पानी के उपयोग के अनुसार बिल की वसूली की जाएगी। जिसको लेकर पेयजल निगम ने कार्ययोजना बना ली है।

149 करोड़ की डीपीआर बनाकर भेजी

कार्ययोजना में नगर निगम के पुराने 33 वार्डों की गलियों में पेयजल लाइनें बदलने के साथ ही मीटर लगाने के लिए 149 करोड़ की डीपीआर बनाकर भेज दी है। इसकी मंजूरी की घोषणा बीते 15 अक्टूबर को हल्द्वानी में हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में की है। निगम के बनाए प्रस्ताव के अनुसार घरेलू और व्यवसायिक कनेक्शनों पर मीटर लगाए जाएंगे।

सात साल की बच्ची को टॉफी का लालच देकर अपने कमरे में ले गया अधेड़, हैवानियत की हद की पार

रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र में एक सात साल की बच्ची के साथ पडोस में रहने वाले अधेड़ किरायेदार ने टॉफी का लालच देकर दुष्कर्म किया। आरोपित बच्ची को अपने कमरे में ले गया था। मामला संज्ञान में आने के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भागने का प्रयास कर रहे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर दिया।

पुलिस के मुताबिक करीब एक माह पहले गंगनहर कोतवाली क्षेत्र की एक कालोनी में एक व्यक्ति अपनी पत्नी और बेटी (7) के साथ किराये पर रहने के लिए आया।

11 किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

गांजे के साथ पकड़ा गया आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः धुमाकोट पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को 11 किलो 500 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। धुमाकोट थाने के उपनिरीक्षक कमल सिंह रावत ने बताया कि रविवार को चेकिंग अभियान के दौरान गौलीखाल, रामनगर मार्ग से जमालपुर बिलारी, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के निवासी आरोपी शमशाद को 11 किलो 500 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में पंजीकृत कर आरोपी को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में अपर उपनिरीक्षक हेमराज सिंह पंवार, मुख्य आरक्षी राकेश आजाद, आरक्षी राकेश कुमार शामिल थे।

अचानक छाई धुंध, भारी संख्या में उमड़े सैलानी, बोटिंग करने वालों का लगा तांता

नैनीताल । सैलानियों का सैलाब दीवाली के बाद उमड़ने लगा है। रविवार को नगर के चारों ओर पर्यटक वाहनों की भरमार रही, पर्यटन स्थलों में पर्यटक भारी संख्या में पहुंचे हुए थे। अधिकांश होटल, गेस्ट हाउस व होम स्टे पैक रहे। नैनीझील में नौका विहार करने वाले सैलानियों का पूरे दिन तांता लगा रहा।

स्नोव्यू, राजभवन, चिड़ियाघर, हिमालय दर्शन व केव गार्डन में पूरे दिन भीड़ रही। नगर के समीपवर्ती पर्यटन स्थल खुर्पाताल, सरिताताल, पंगोट व कैंची धाम में भी सैलानियों की आमद काफी बढ़ चली है।

दोपहर बाद कई पर्यटक वापस भी लौटने लगे। जिससे रोडवेज स्टेशन में यात्रियों का तांता लगा रहा। बस में सीट पाने को पर्यटकों को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पर्यटन कारोबारियों के मुताबिक जब तक महानगरों में वायु प्रदूषण चढ़ा रहेगा, तब तक सैलानियों की आमद बनी रहेगी।

उत्तराखंड में तत्काल बुकिंग की व्यवस्था बेपटरी

हल्द्वानी। त्योहारी सीजन में 40 प्रतिशत रेल टिकट दलालों के हाथों में जा रहे हैं। सुबह 10 बजे तत्काल टिकटों की बुकिंग शुरू होते ही दलाल महज कुछ मिनटों में टिकट हैक कर रहे हैं। वहीं, रेलवे के काउंटर से पांच से 10 कन्फर्म टिकट निकल पा रहे हैं। स्थिति यह है कि सुबह से लाइन में लगने वालों के टिकट कन्फर्म नहीं हो रहे हैं।ऐसे में दीपावली व छठ पर सफर करना दूर के मुसाफिरों के लिए खासा मुश्किल हो रहा है। सेंटर फार रेलवे इंफार्मेशन सिस्टम (क्रिस) की टिकट व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। टिकटों के दलाल रेलवे की व्यवस्था में सेंध लगा चुके हैं। उनका साफ्टवेयर रेलवे के सिस्टम से तेज चल रहा है। काठगोदाम, लालकुआं, हल्द्वानी व रामनगर के रेलवे काउंटर पर बैठे कर्मचारी एक मिनट में एक टिकट कन्फर्म कर पा रहे हैं।

एक नजर

सफाई के दावों पर नगर निगम की खुल गई पोल

हल्द्वानी। दिवाली पर्व के दौरान लोग जहां घरों की सफाई में व्यस्त रहे वहीं नगर निगम के कर्मचारियों ने इससे दूरी बनाये रखी। शहर के अधिकांश मोहल्लों व सड़कों पर कूड़ा बिखरा हुआ नजर आया। कई डंपिंग जोनों से तो कूड़ा ही नहीं उठाया गया। वहीं इसके बचाव में निगम अफसर त्योहार पर कर्मचारियों के अवकाश पर होने का हवाला देते रहे।

स्वच्छता का संदेश देने वाली दिवाली पर नगर निगम की ओर से किये गये सफाई के दावों की पोल खुल गई। दीवाली से पहले शहर के तमाम क्षेत्रों में नगर निगम के कर्मचारी सफाई को नहीं पहुंचे। बीते गुरुवार को दीवाली के बाद भी कई क्षेत्रों में सड़कों पर कूड़ा नजर आया। शुक्रवार को क्रिमाशाला के पास सड़क से सटी वन भूमि में कूड़ा पड़ा दिखा। वहीं मुखानी खड़िया फैक्ट्री वाली सड़क पर भी कूड़े का ढेर दिखाई दिया। नैनीताल रोड से आवास विकास के बीच ठंडी सड़क की शुरुआत में ही कूड़े से लोगों का स्वागत हो रहा है। वहीं रोडवेज स्टेशन के सामने वाला मार्ग भी कूड़े से पटा रहा। यहां भी कई जगह कूड़ा पड़ा था। गौरतलब है कि नगर निगम प्रशासन ने दीपावली से पहले व बाद में निगम के सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाने का शेड्यूल जारी किया था। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों के त्योहार मनाने के कारण कुछ स्थानों से कूड़ा नहीं उठा होगा, शनिवार को सभी जगह सफाई कराकर कूड़ा उठाया जाएगा।

आफिसर्स कालोनी की सड़क भी कचरे से पटी

दिवाली पर सड़क पर फैली गंदगी की ओर सरकारी अफसरों का भी ध्यान नहीं गया। रोडवेज स्टेशन के सामने स्थित आफिसर्स कालोनी क्षेत्र की सड़क भी कूड़े-कचरे से पटी नजर आई। आफिसर्स कालोनी से चंद कदम दूर एक भूखंड में कूड़ा-कचरा भरा नजर आया। सड़क से गुजरने वाले हर एक की इस पर नजर गई लेकिन अफसरों को यह दिखाई नहीं दिया। खास बात यह है कि यहां वार्ड में तैनात सफाई कर्मचारी रोजाना दो पालियों में ड्यूटी करते हैं।

किरवाड़ी गदेरे में 15 से 20 दिन में बन जाएगा बैली ब्रिज

घनसाली (टिहरी)। बूढ़ाकेदार-कोट-घंडियाल सौड़ मोटर मार्ग पर किरवाड़ी गदेरे में लोनिवि ने बैली ब्रिज को जोड़ने का काम शुरू कर दिया है। बैली ब्रिज बनने के बाद तीन गांव के लोग बूढ़ाकेदार मोटर मार्ग से आवागमन कर सकेंगे। उक्त मोटर मार्ग पर किरवाड़ी गदेरे पर बना मोटर मार्ग बीते जुलाई में आपदा की भेंट चढ़ गया था।

बीते 25 /26 जुलाई की रात किरवाड़ी गदेरे में बादल फटने से तितरोना, कोट, तोली गांव को जोड़ने वाला बूढ़ाकेदार-कोट-घंडियाल सौड़ मुख्य मोटर मार्ग पर बना पुल आपदा की भेंट चढ़ गया था, जिससे उक्त तीनों गांवों का संपर्क बूढ़ाकेदार बाजार से कट गया था। तितरोना, कोट, तोली गांव के ग्रामीणों को जरूरी सामान के लिए पैदल ही बाजार तक पहुंचना पड़ रहा था।

वहां गदेरे में नया पुल बनाने की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था लोनिवि को दी गई थी। हालांकि विभाग ने उक्त गांवों में आपदा के एक माह बाद विनयखाल-जाखना-तोली लिंक मोटर मार्ग से यातायात बहाल कर दिया था, लेकिन बूढ़ाकेदार जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

किरवाड़ी गदेरे के पास लोनिवि ने 150 फीट लंबा बैली ब्रिज जोड़ने का काम शुरू कर दिया है, जिसकी गदेरे से लगभग 30 मीटर ऊंचा स्पान है। भारी वाहनों से भी बैली ब्रिज से होकर आरपार जा सकते है। ब्रिज बनने से तितरोना, कोट, तोली गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

देश में पहली बार साल की नर्सरी तैयार

देहरादून। विकास के पथ पर तेजी से बढ़ते भारत में विकास बनाम विनाश को लेकर बहस निरंतर जारी रहती है।

खासकर सड़क निर्माण जैसी बड़ी परियोजनाओं में विकास और विनाश का मुद्दा अधिक हावी रहता है और अक्सर इसकी कीमत विकास को चुकानी पड़ जाती है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के तहत बनने वाली 12 किमी लंबी एलिवेटेड रोड के निर्माण में भी 11 हजार से अधिक पेड़ों को काटना पड़ा। बात साल के पेड़ों की थी तो मशीनरी की चिंता बढ़ गई, क्योंकि साल के पेड़ों का पौधारोपण लगभग असंभव माना जाता है।ऐसे में कार्यदायी संस्था भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने चुनौती को स्वीकार किया और वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) को एक करोड़ रुपये देकर साल की नर्सरी तैयार करने का जिम्मा सौंपा। जून 2024 से चल रहे इस काम में एफआरआइ ने अब तक साल की करीब 15 हजार पौध तैयार कर ली है।

प्रदेश में 70 बड़े अपराधी, दो लाख का इनामी 25 साल से फरार

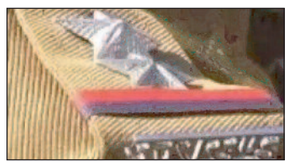

देहरादून। प्रदेश में बड़े अपराध में शामिल 25 हजार से लेकर दो लाख के 70 इनामी अपराधियों की तलाश में उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स व पुलिस जुटी है। इनमें से दो लाख रुपये का इनामी हत्या के मामले में 25 साल से फरार चल रहा है। पुलिस विभाग की ओर से हर साल पांच हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक के इनामी की लिस्ट जारी की जाती है। इनमें से 25 हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक के इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी एसटीएफ के पास है।

देहरादून घाटी से धीरे-धीरे हटेगा फिजाओं में घुला जहर, दीवाली के बाद से हालत खराब

देहरादून। देहरादून में आतिशबाजी का शोर तो थम गया है, लेकिन दून की आबोहवा में घुला जहर अब भी बरकरार है। देहरादून का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) लगातार सामान्य से कई गुना अधिक बना हुआ है। खासकर शहर के घनी आबादी क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

शहर की फिजा में घुले जहर को छंटने में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं। वहीं, दून में दीपावली पर हवा के साथ ध्वनि प्रदूषण पर चरम पर पहुंचा रहा।

यहां आवासीय से लेकर व्यावसायिक क्षेत्रों में शोर सामान्य से 20 डेसिबल अधिक रहा। जो कि नुकसानदायक की श्रेणी में आता है।

दून की हवा दीपावली से पहले ही खराब होने लगी थी। छोटी दीपावली पर भी दून का एक्यूआइ 200 के करीब पहुंच गया था। जबकि, बीते गुरुवार को दीपावली के दिन दून का औसत एक्यूआइ 288 दर्ज किया गया। वहीं, इस दौरान दून विवि क्षेत्र में वायु प्रदूषण सर्वाधिक 333 एक्यूआइ तक भी पहुंचा। जिसे अत्यंत खराब माना जाता है।

जनाक्रोश रैली में हुआ था बवाल, शांतिभंग में गिरफ्तार तीनों लोगों की न्यायिक हिरासत पांच तक बढ़ी

देहरादून।उत्तरकाशी में जनाक्रोश रैली में बवाल के बाद शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार तीनों लोगों की न्यायिक हिरासत अवधि पांच नवंबर तक बढ़ गई है। शनिवार को तीनों लोग वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से एसडीएम कोर्ट में पेश हुए, जहां कोर्ट ने तीनों की न्यायिक हिरासत अवधि को पांच नवंबर तक के लिए बढ़ाने के आदेश दिए हैं।

बता दें कि बीते 24 अक्तूबर को एक मस्जिद के खिलाफ जनाक्रोश रैली के दौरान हुए बवाल के बाद जिला प्रशासन ने जनपद में धारा 163 लागू की थी। एक समुदाय के धार्मिक संगठन के सोनू नेगी, जितेंद्र चौहान व सूरज डबराल को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया। जिन्हें एसडीएम भटवाड़ी मुकेश चंद रमोला की कोर्ट ने सात दिन की न्यायिक हिरासत पर टिहरी जेल भेज दिया था। यह अवधि गत शुक्रवार को खत्म हो गई थी, इसके बाद शनिवार को उक्त तीनों को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया।

परगना मजिस्ट्रेट मुकेश चंद रमोला ने बताया कि उक्त तीनों लोगों की न्यायिक हिरासत अवधि को 5 नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इधर, कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि उक्त तीनों को 4 नवंबर को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तरकाशी की अदालत में पेश किया जाएगा। जहां कोर्ट से बवाल वाले मामले में तीनों की रिमांड लेने की मांग की जाएगी।

हरिद्वार-नजीबाबाद हाईवे पर संभल के युवक की हत्या कर जलाया

हरिद्वार , श्यामपुर थाना क्षेत्र में संभल के एक युवक की हत्या कर शव जलाने का मामला सामने आया है। रविवार सुबह शराब के ठेके के पास युवक का अधजला शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है। एसएसपी ने घटनास्थल का दौरा कर जल्द मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि श्यामपुर में कांगड़ी शराब के ठेके के पास मुख्य हाईवे पर उमेश्वर धाम के बगल में एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उसका मुंह का आधा हिस्सा जला हुआ था। मौके से आधी जली हुई डायरी मिली, जिसमें कुछ मोबाइल नंबर मिले।

कैशलेस हुए एटीएम, लगी कतारें

खटीमा। दिवाली पर्व पर एटीएम से अत्याधिक रुपये की निकासी के बाद अब अधिकांश एटीएम कैशलेस हो गए हैं। जिन एटीएम में रुपये उपलब्ध हैं, वहां लोगों की लंबी लाइनें लगी नजर आ रही हैं।

दिवाली के चलते बैंकों में अभी अवकाश है। इसके चलते पिछले दो दिनों से खटीमा के अधिकांश एटीएम का पैसा खत्म हो चुका है। कुछ एटीएम के बाहर पैसा उपलब्ध नहीं है के बोर्ड लटके हैं।

खटीमा में मेलाघाट रोड, टनकपुर रोड, पीलीभीत और सितारगंज रोड के अधिकांश एटीएम में पैसा उपलब्ध न होने के कारण लोगों को काफी असुविधा हो रही है। इसके अलावा कुछ एटीएम में सर्वर डाउन होने की समस्या आ रही है।

सितारगंज मार्ग पर कुछ एटीएम में पैसा उपलब्ध था, जिस कारण वहां पर लंबी लाइनें लगी रही, जबकि कुछ लोग लंबी लाइन देखकर बगैर पैसे निकाले वापस लौट गए।

दिवाली के चलते बैंकों का अवकाश होने के कारण कुछ एटीएम के कैशलेस होने की समस्या आ रही है। रविवार को भी अवकाश के चलते बैंक बंद रहेंगे। सोमवार से सभी एटीएम में कैश उपलब्ध होने की संभावना है।

-एमएस जंगपांगी, जिला लीड बैंक अधिकारी।

ड्रोन पायलट तैयार करने की योजना

उत्तरकाशी।जनपद में ड्रोन पायलट तैयार करने की योजना अधर में लटक गई है। आईटीडीए (सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी) की ओर से लदाड़ी में ड्रोन एप्लीकेशन एंड रिसर्च सेंटर प्रस्तावित किया गया था, लेकिन दो साल बाद भी न तो यह सेंटर शुरू हो पाया और न ही ड्रोन पायलट तैयार करने का प्रशिक्षण।

सीमांत जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा में ड्रोन के इस्तेमाल के लिए युवाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिए जाने की योजना बनाई गई थी। आईटीडीए की ओर से इसके लिए लदाड़ी क्षेत्र में जिला पंचायत राज विभाग के जिला रिसोर्स सेंटर में ड्रोन एप्लीकेशन एंड रिसर्च सेंटर प्रस्तावित किया गया था।

पीपीपी मोड पर खुलने वाले केंद्र में पिछले साल ही 25 युवाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाना भी प्रस्तावित था, लेकिन यह योजना कागजों में ही सिमट कर रह गई है। हालांकि यहां आईटीडीए कैल्क (कंप्यूटर एकेडमी ऑफ लर्निंग सेंटर) का संचालन किया जा रहा है। इस केंद्र के प्रबंधक सुभाष भंडारी का कहना है कि केंद्र में आईआईटी रुड़की द्वारा मान्य कंप्यूटर संबंधी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया जा रहा है, लेकिन प्रस्तावित ड्रोन एप्लीकेशन एंड रिसर्च सेंटर नहीं खुल पाया है। उन्होंने बताया कि सेंटर खुलता तो इससे युवाओं को लाभ मिलता। युवा ड्रोन पायलट बनने के लिए उत्साहित भी थे।

बिजली के खंभे पर चढ़े युवक की करंट से मौत

पिथौरागढ़। धारचूला के थापला निवासी भूपेश राम गंडी (40) पुत्र दौलत राम कनालीछीना के लीमाटौड़ा में मजदूरी करता था। वह एकाएक बिजली के खंभे पर चढ़ गया। लोगों के रोकने पर भी वह नहीं रुका और उसने 11 केवी लाइन को छू लिया। करंट लगने से वह जमीन पर गिर गया। कुछ देर में ही उसकी मौत हो गई।

लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और यूपीसीएल के अधिकारियों को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया। थानाध्यक्ष कनालीछीना दिनेश चंद्र बिष्ट ने बताया कि पूछताछ में युवक के नशे में होने की जानकारी मिली। प्रथम दृष्टया वह नशे की हालत में बिजली के खंभे पर चढ़ा और करंट से उसकी मौत हुई है। कहा कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पर्वतीय क्षेत्र में नहीं प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा, लगा रहे मुंबई-दिल्ली की दौड़

अल्मोड़ा। कुमाऊं के चार पर्वतीय जिलों में प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा नहीं है। प्लास्टिक सर्जरी जेब पर भारी पड़ रहा है। मरीजों को सुपर स्पेशलिस्ट की कमी के कारण दिल्ली, मुंबई या चंडीगढ़ की दौड़ लगानी पड़ रही है। आने-जाने में ही मरीजों की किराये में भारी भरकम धनराशि खर्च हो जाती है। नगर में मेडिकल कॉलेज होने से लोगों को प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा मिलने की उम्मीद थी लेकिन मेडिकल कॉलेज में भी ये सुविधा शुरू नहीं हो सकी। इसके अलावा बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत जिलों में भी किसी भी अस्पताल में प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा नहीं है। प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत शरीर के जलने, दुर्घटना होने, जन्मजात तालू कटे होंठ से मुक्ति दिलाने के लिए पड़ती है। पहाड़ के चार जिलों में करीब हर साल चार हजार से अधिक मरीज जलने, चेहरे और सिर, जन्मजात विकृति आदि की सर्जरी कराने के लिए महानगरों के चक्कर काटते हैं। पहाड़ के अस्पतालों में प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा न होने से मरीजों को काफी दिक्कतें हो रही है।

जिले में जलने जैसे मामलों में प्राथमिक इलाज दिया जाता हैं। प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा नहीं है। इसके लिए समय- समय प्रयास किए जा रहे हैं।

— डॉ. आरसी पंत सीएमओ अल्मोड़ा

क्या है प्लास्टिक सर्जरी

प्लास्टिक सर्जरी एक चिकित्सा पद्धति हैं। इसमें शरीर के विभिन्न अंगों की विकृति और क्षति को ठीक करने के लिए सर्जिकल तकनीकों का उपयोग किया जाता है। यह सर्जरी शरीर से विभिन्न अंगों की सुंदरता और अन्य में कारगर रहती हैं।

मेडिकल कालेज में प्लास्टिक सर्जन की तैनाती के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। उनकी तैनाती के बाद मरीजों को ये सुविधा मिलना संभव है।

— डॉ. सीपी भैसोड़ा प्राचार्य मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा

रतूड़ीसेरा में घंटों फंसी रही एंबुलेंस, जाम से लोग परेशान

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर रतूड़ीसेरा में चौड़ीकरण कार्य लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। निर्माण कंपनी की ओर से घंटों वाहनों की आवाजाही रोके जाने से लोग परेशान हैं। रविवार को जिला मुख्यालय की ओर आ रही एक एंबुलेंस भी यहां घंटों फंसी रही।चारधाम सड़क परियोजना के तहत बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की ओर से रतूड़ीसेरा और बंदरकोट में चौड़ीकरण और भूस्खलन क्षेत्र के ट्रीटमेंट का कार्य किया जा रहा है, लेकिन यहां आए दिन घंटों वाहनों की आवाजाही रोके जाने से लोग खासे परेशान हैं। निर्माण कंपनी से जुड़े लोग यहां मनमर्जी कभी भी वाहनों की आवाजाही रोक देते हैं। इस कारण आवागमन करने वाले लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों के अठाली गांव के खस्ताहाल मार्ग से आवाजाही करने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। रविवार को रतूड़ीसेरा में एक 108 एंबुलेंस जो कि जिला अस्पताल की ओर आ रही थी, उसे भी जाम भी घंटों फंसे रहना पड़ा। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा, सुभाष कुमाईं आदि का कहना है कि सितंबर माह से जब से यहां पर बीआरओ ने चौड़ीकरण व भूस्खलन जोन का ट्रीटमेंट कार्य शुरू करवाया है, तभी से यह काम लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। जबकि यह काम ज्यादातर रात के समय किया जाना चाहिए। वहीं, दिन भी में ज्यादा समय के लिए यातायात बाधित नहीं किया जाना चाहिए। इधर, बीआरओ के कमांडर विवेक श्रीवास्तव का कहना है कि इस संबंध में निर्माण कंपनी के अधिकारियों से बातचीत कर चौड़ीकरण व ट्रीटमेंट के लिए यातायात को कम से कम समय रोकने के लिए समय निर्धारित कराया जाएगा, जिससे लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े।

समय पर मानदेय नहीं मिलने पर पीटीसी कर्मचारियों ने जताया आक्रोश

कंडीसौड़ (टिहरी)। जल संस्थान के पीटीसी कर्मचारियों ने सितंबर और अक्तूबर माह का मानदेय न मिलने पर कड़ा आक्रोश जताया। बिना नोटिस के कुछ पीटीकी कर्मचारियों को हटाए जाने पर नाराजगी जताई। पीटीसी कर्मचारी हरदेव सिंह राणावत, दर्मियान सिंह कठैत, कलीराम डबराल, गंभीर सिंह भंडारी, देवी चौहान ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि उन्हें सितंबर, अक्तूबर माह का मानदेय नहीं दिया गया है। उन्होंने बताया कि पीसीसी कर्मचारी पिछले 20 वर्षो से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति करने का काम करते आ रहे है। 60 वर्ष पूरा होने पर बिना नोटिस दिए ही कुछ कर्मचारियों को सेवा से हटा देना उचित नहीं है।

हाईवे पर स्कूटी और बाइक भिड़ीं, युवक की मौत

रुद्रपुर। नेशनल हाईवे 74 पर बाइक और स्कूटी के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार रिटायर्ड पीएसी कर्मी के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार किच्छा हाईवे पर डायनेमिक गार्डन सिटी में रिटायर्ड पीएसी कर्मी जयराम अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका इकलौता बेटा नरेंद्र कुमार (28) घर पर ही परचून की दुकान चलाता था। शुक्रवार की रात नरेंद्र बाइक से रुद्रपुर की ओर से घर आ रहा था। कट से हाईवे पार करते समय नरेंद्र की बाइक पर किच्छा से तेजी से आई स्कूटी ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद नरेंद्र और स्कूटी सवार पवन निवासी आवास विकास सड़क पर गिर गए।

आनन-फानन दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां नरेंद्र की मृत्यु हो गई। पवन को निजी अस्पताल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। नरेंद्र की तीन साल पहले शादी हुई थी और उसकी एक साल की बेटी है। एसपी ट्रैफिक मनोज कत्याल ने बताया कि हादसे में युवक की मौत हुई है। इस मामले में तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

निकाय चुनाव की अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होने पर संशय

नैनीताल। उत्तराखंड के 102 नगर निकायों के चुनाव की अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होने पर संशय पैदा हो गया है। निकायों के ओबीसी सर्वेक्षण की रिपोर्ट तो मिल गई थी, लेकिन निकायों में ओबीसी आरक्षण की नियमावली पर मुहर नहीं लग पाई। लिहाजा, आरक्षण का फार्मूला लागू न होने के चलते राज्य निर्वाचन आयोग अधिसूचना जारी नहीं कर पाएगा। एकल सदस्यीय समर्पित आयोग ने नगर निकायों की रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। बाद में एक अनुपूरक रिपोर्ट भी सौंपी गई थी। उधर, ओबीसी आरक्षण को लेकर गठित प्रवर समिति ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए निकाय चुनाव को हरी झंडी दे दी थी। निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए शासन ने नियमावली तैयार की थी, जिस पर अभी निर्णय नहीं हो पाया है। वैसे लक्ष्य था कि अक्तूबर के आखिरी सप्ताह में आरक्षण की प्रक्रिया शुरू होगी। सभी डीएम के स्तर से फार्मूले के हिसाब से पदों का आरक्षण जारी करते हुए आपत्तियां मांगी जाएंगी, जिसे अंतिम रूप देने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा जाएगा। फिर निर्वाचन आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। चूंकि प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई, इसलिए 10 नवंबर को निकाय चुनाव की अधिसूचना पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं।

99 निकायों की वोटर लिस्ट तैयार, बाकी की आठ तक

प्रदेश के 102 में से 99 नगर निकायों की वोटर लिस्ट तैयार हो चुकी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार का कहना है कि बाकी निकायों की वोटर लिस्ट का काम भी आठ नवंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रदेश में करीब 30 लाख मतदाता हैं।

विकासनगर में बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़

देहरादून । प्रेमनगर थाना क्षेत्र में पशु वध के मामले में वांछित चल रहे 10 हजार के इनामी बदमाश को प्रेमनगर और सहसपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने शेरपुर में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के तमंचे से फायर झोंकने के बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश घायल हो गया। बदमाश का सीएचसी सहसपुर में उपचार चल रहा है। सूचना पर एसएसपी अजय सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार हरिद्वार जिले के भगवानपुर के खैरी शिकोहपुर निवासी यूसुफ पर प्रेमनगर थाना क्षेत्र में पशु वध के मामले में उत्तराखंड गोवंश अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। एसएसपी ने आरोपी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

प्रेमनगर थाना क्षेत्र की झाझरा चौकी के पास पुलिसकर्मी चेकिंग कर रहे थे। रात करीब 10.30 बजे एक बाइक सवार को चेकिंग के लिए रोका गया लेकिन, वह पुलिस को चकमा देकर सहसपुर थाना क्षेत्र की ओर फरार हो गया। एसएसपी के अलर्ट जारी करने पर जिले की सीमाओं को सील करते हुए नाकाबंदी कर दी गई।

सहसपुर थाना क्षेत्र के सभावाला में सिंघनीवाला में पुलिस ने बाइक सवार को रोका तो वह शेरपुर में निर्माणाधीन दिल्ली-देहरादून-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर भाग गया। बदमाश का पीछा कर रही प्रेमनगर और सहसपुर थाना पुलिस ने उसे शेरपुर में घेर लिया। इस दौरान बदमाश ने तमंचे से पुलिसकर्मियों पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मियों ने भी फायरिंग की। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लग गई। पुलिसकर्मियों ने बदमाश को घेरकर हिरासत में ले लिया। घायल बदमाश का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सहसपुर में उपचार करवाया जा रहा है।

मुठभेड़ की सूचना पर एसएसपी अजय सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बदमाश को गिरफ्तार करने पर प्रेमनगर और सहसपुर थाना पुलिस को शाबाशी दी। एसएसपी ने बताया कि आरोपी पहले भी पशुवध की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। बताया कि आरोपी के पास से 315 बोर का देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस मिला है। मौके से एक राउंड खोखा भी मिला है।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338